गुरुओं ने डिजिटल इकॉनामी से रची आठ प्रतिशत की जीडीपी

रायपुर। नईदुनिया प्रतिनिधि

अखिल भारतीय प्रबंध संस्थान के तत्वावधान में सेंट्रल ऑफ इकोनामी पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन महासमुंद रोड स्थित निजी होटल में हुई। पहले दिन अमेरिका से आए प्रोफसर्स सौरभ पाल और लक्ष्मी अय्यर ने डिजिटल इकोनामी पर शिक्षाविदों और उद्योग कर्मियों से चर्चा की। विशेषज्ञों ने डिजिटल दुनिया से होने वाले फायदे और उसके तरीकों से परिचित कराया। उन्होंने बताया कि डिजिटल इकोनामी को भारत में लागू कर दिया जाए तो एक साल में ही जीडीपी आठ प्रतिशत के करीब पहुंच जाएगी। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक भरत भास्कर और अन्य प्राध्यापक मौजूद थे।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को समझना जरूरी : 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में गवर्नेंस' विषय पर पैनल चर्चा हुई। प्रतिभागियों में प्रो. लक्ष्मी अय्यर, संजय बोबडे, रोहित बंसल रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और डॉ. दिवाकर बी. कामथ एसोसिएट डायरेक्टर आइबीएम इंडिया प्रा.लि. शामिल हुए। चर्चा के महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक यह था कि मशीनें इंसानों की जगह कभी नहीं ले सकतीं। स्मार्ट सिटी एप्लीकेशन्स, इटरनेट ऑफ थिंग्स, सोशल मीडिया, मोबाइल एप जैसे अन्य स्रोतों से नई प्रशासनिक संरचनाओं का उदय हुआ, जो भविष्य में एक बार सामूहिक लाभकारी सिद्ध होगा।

डिजिटल इकॉनामी पर आयोजित कार्यशाला में राजधानी के युवा, विशेषज्ञों की राय जानते हुए।

पुराने व्यापार को छोड़ना होगा

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के ग्रुप हेड रोहित बंसल ने बिल्डिंग डिजिटल ऑर्गेनाइजेशन पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि पारंपरिक संगठन पुरानी परंपराओं से चिपके हैं, जो बड़ी समस्या बन गई है। आने वाली कोई भी नई तकनीक चमकदार वस्तु की तरह लगती है।

इसे कंपनियों द्वारा अपनाए जाने पर सुंदर स्लाइड शो बन जाता है। हालांकि इसे लागू करना आसान लगता है, लेकिन उचित मूल्यांकन आवश्यक है अन्यथा संगठनात्मक संरचना और प्रभावकारिता को अपूरणीय क्षति हो सकती है।

ऐसे बढ़ सकती है जीडीपी

- डिजिटल इकोनामी से भ्रष्टाचार पर लगाम कस जाएगी
- पान से लेकर प्लेन तक की खरीदारी कैशलेस होगी
- देश में व्यापार करने के सुगम तरीके आएंगे
- युवाओं को बेहतर अवसर मिलेगा
- चुनौती
- 55 प्रतिशत किसानों को ऑनलाइन ट्रांजेक्शन सिखाना
- देश के हर व्यक्ति का बैंक अकाउंट
- तकनीकी जानकारी हर व्यक्ति को
- सुझाव
- अधिक से अधिक युवाओं को ग्रामीण क्षेत्रों में परीक्षण के लिए किया जाए तैयार
- महिलाओं की सहभागिता बढ़ाई जाए
- प्राथमिक शिक्षा से डिजिटल इकोनामी पढ़ाई जाए

Naidunia, 9th Feb 2019, P.10